

भारत में मसाला क्षेत्र

प्रलिस के लयः

प्रमुख मसाला उत्पादक राज्य, मसाला क्षेत्र हेतु प्रमुख आँकड़े

मेन्स के लयः

भारत में मसाला उत्पादन, मसाला क्षेत्र हेतु की गई पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने 'स्पाइस स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लान्स 2021' पुस्तक का वमोचन कयः है ।

- यह पुस्तक देश में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2020-21 तक के पछले सात वर्षों के दौरान मसालों के उत्पादन में हुई वृद्धि पर प्रकाश डालती है ।

प्रमुख बढः

मसालों के वषः में:

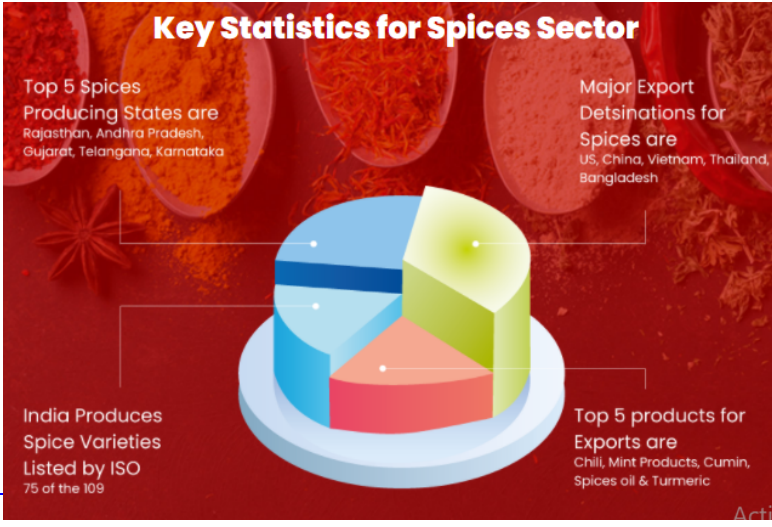
- मसाले बीज, फल, छाल, राइजोम और पौधों के अन्य भागों से प्राप्त सुगंधित खाद्य उत्पाद प्राप्त होते हैं ।
- उनका उपयोग भोजन के संरक्षण और दवाओं, रंगों एवं इत्र के रूप में कयः जाता है ।
- मसालों को हजारों वर्षों से व्यापार की वस्तुओं के रूप में अत्यधिक महत्त्व दयः गया है ।
 - मसाला शब्द लैटिन से आया है, जसका अर्थ है 'माल' ।
- वशः रूप से महामारी की अवधि के दौरान मसालों को स्वास्थ्य प्रक के रूप में मान्यता देने के कारण मसालों की मांग में ज़बरदस्त वृद्धि हुई है ।
 - इसे हल्दी, अदरक, जीरा, मरिच आदि जैसे मसालों के बढ़ते नरःयात से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है ।

भारत में मसाला उत्पादन:

- भारत मसालों का वशः में सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और नरःयातक देश है ।
- बदलती जलवायु के कारण उषणकटबिंधीय से उपोषणकटबिंधीय, उपोषणकटबिंधीय से समशीतोषण तक लगभग सभी जलवायु के मसालों का भारत में उत्पादन कयः जाता है ।
- वास्तव में भारत के लगभग सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कसी-न-कसी मसाले का उत्पादन कयः जाता है ।
- संसदीय अधनःयः के तहत कुल 52 मसालों को मसाला बोर्ड के दायरे में लाया गया है ।
 - मसाला बोर्ड (वाणज्य और उद्योग मंत्रालय) भारतीय मसालों के वकःस और वशःव्यापी प्रचार हेतु प्रमुख संगठन है ।
 - यह मसाला बोर्ड अधनःयः, 1986 द्वारा स्थापित कयः गया था ।
- भारत में कुछ राज्य ऐसे हैं जो उन मसालों का उत्पादन करते हैं जनका राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बहुत अधिक मूल्य है ।
 - सबसे अच्छा उदाहरण 'कश्मीरी केसर' है जो दुनःया का सबसे अच्छा केसर है ।
 - कश्मीरी केसर को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग का दर्जा मलः है ।

मसाला व्यापार:

- मसालों का नरःयात देश में सभी बागवानी फसलों के कुल नरःयात आय में 41% का योगदान देता है ।
- यह समुद्री उत्पादों, गैर-बासमती चावल और बासमती चावल के बाद कृषि वस्तुओं में चौथे स्थान पर है ।



संबंधित सरकारी पहल:

- हाल ही में **भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI)** ने **कोडेक्स एलमेंटेरिस कमीशन (CAC)** के तहत स्थापित **मसालों और पाक जड़ी बूटियों (CCSCH)** पर कोडेक्स समिति के पाँचवें सत्र का उद्घाटन किया।
- मसालों और पाक जड़ी बूटियों पर कोडेक्स समिति (CCSCH) के बारे में:
 - **स्थापना:** इसका गठन वर्ष **2013** में किया गया था।
 - **संदर्भ शर्तें:**
 - मसालों और पाक कला से संबंधित जड़ी बूटियों हेतु उनकी सूखी और नरिजलति अवस्था संबंधी विश्वव्यापी मानकों को वसितृत करना।
 - मानकों के विकास की प्रक्रिया में दोहराव से बचने के लिये अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ परामर्श करना आवश्यक है।

स्रोत: पीआईबी

PDF Referenece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/spices-sector-in-india>